Jdg

Chapter 15

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

Hebrew	Hindi	Strong
וַיְהִי	और-हुआ	H1961
מִיָּמִים	दिनों-से	H3117
בִּימֵי	दिनों-में	H3117
קְצִיר־	कटनी	
חִטִּים	गेहूँ-की	H2406
וַיִּפְקֹד	और-गया-मिलने	
שִׁמְשׁוֹן	शिमशोन	H8123
אֶת־	-को	H0853
אִשְׁתּוֹ	अपनी-पत्नी	H0802
בִּגְדִי	बकरे-के-बच्चे-से	H1423
עִזִּים	बकरियों-के	H5795
וַיֹּאמֶר	और-कहा	H0559
אָבֹאָה	मैं-जाऊँगा	H0935
אֶל־	-के-पास	H0413
אִשְׁתִּי	अपनी-पत्नी	H0802
הֶחָדְרָה	कमरे-में	H2315
וְלֹא־	और-नहीं	H3808
נְתָנוֹ	दिया-उसे	H5414
אָבִיהָ	उसके-पिताने	H0001
לָבוֹא׃	जाने-को	H0935

> गेहूँ की फसल तैयार होने के समय शिमशोन अपनी पत्नी से मिलने गया। वह अपने साथ एक जवान बकरा ले गया। उसने कहा, “मै अपनी पत्नी के कमरे में जा रहा हूँ।” किन्तु उसका पिता उसे अन्दर जाने देना नहीं चाहता था।

2

Hebrew	Hindi	Strong
וַיֹּאמֶר	और-कहा	H0559
אָבִיהָ	उसके-पिताने	H0001
אָמֹר	कहना	H0559
אָמַרְתִּי	मैंने-कहा	H0559
כִּי־	कि	
שָׂנֹא	नफ़रत	H8130
שְׂנֵאתָהּ	तूने-नफ़रत-की-उससे	H8130
וָאֶתְּנֶנָּה	और-दे-दी-मैंने-उसे	H5414
לְמֵרֵעֶךָ	तेरे-साथी-को	H4828
הֲלֹא	क्या-नहीं	H3808
אֲחֹתָהּ	उसकी-बहन	H0269
הַקְּטַנָּה	छोटी	
טוֹבָה	अच्छी	
מִמֶּנָּה	उससे	
תְּהִי־	हो	H1961
נָא	कृपया	H4994
לְךָ	तेरे-लिए	
תַּחְתֶּיהָ׃	उसकी-जगह	H8478

> उसके पिता ने शिमशोन से कहा, “मैंने सोचा कि तुम सचमुच अपनी पत्नी से घृणा करते हो अत: विवाह में सम्मिलित सबसे अच्छे व्यक्ति को मैंने उसे पत्नी के रुप में दे दिया। उसकी छोटी बहन उससे अधिक सुन्दर है। उसकी छोटी बहन को ले लो।”

3

Hebrew	Hindi	Strong
וַיֹּאמֶר	और-कहा	H0559
לָהֶם	उनसे	
שִׁמְשׁוֹן	शिमशोनने	H8123
נִקֵּיתִי	निर्दोष-हूँ	H5352
הַפַּעַם	इस-बार	H6471
מִפְּלִשְׁתִּים	पलिश्तियों-से	H6430
כִּי־	क्योंकि	
עֹשֶׂה	कर-रहा-हूँ	
אֲנִי	मैं	H0589
עִמָּם	उनके-साथ	
רָעָה׃	बुराई	

> किन्तु शिमशोन ने उससे कहा, “तुम पलिश्ती लोगों पर प्रहार करने का मेरे पास अब उचित कारण है। अब कोई मुझे दोषी नहीं बताएगा।”

4

Hebrew	Hindi	Strong
וַיֵּלֶךְ	और-गया	H3212
שִׁמְשׁוֹן	शिमशोन	H8123
וַיִּלְכֹּד	और-पकड़ा	H3920
שְׁלֹשׁ־	तीन	H7969
מֵאוֹת	सौ	H3967
שׁוּעָלִים	सियार	H7776
וַיִּקַּח	और-लिया	H3947
לַפִּדִים	मशालें	H3940
וַיֶּפֶן	और-मोड़ा	H6437
זָנָב	पूँछ	H2180
אֶל־	-से	H0413
זָנָב	पूँछ	H2180
וַיָּשֶׂם	और-रखा	
לַפִּיד	मशाल	H3940
אֶחָד	एक	H0259
בֵּין־	बीच-में	H0996
שְׁנֵי	दो	H8147
הַזְּנָבוֹת	पूँछों-के	H2180
בַּתָּוֶךְ׃	बीच-में	H8432

> इसलिए शिमशोन बाहर निकला और तीन सौ लोमड़ियों को पकड़ा। उसने दो लोमड़ियों को एक बार एक साथ लिया और उनका जोड़ा बनाने के लिये उनकी पूँछ एक साथ बाँध दी। तब उसने लोमड़ियों के हर जोड़ों की पूँछो के बीच एक—एक मशाल बाँधी।

5

Hebrew	Hindi	Strong
וַיַּבְעֶר־	और-जलाई	
אֵשׁ	आग	H0784
בַּלַּפִּידִים	मशालों-में	H3940
וַיְשַׁלַּח	और-छोड़ा	H7971
בְּקָמוֹת	खड़ी-फसलों-में	H7054
פְּלִשְׁתִּים	पलिश्तियों-की	H6430
וַיַּבְעֵר	और-जलाया	
מִגָּדִישׁ	ढेर-से	
וְעַד־	और-तक	H5704
קָמָה	खड़ी-फसल	H7054
וְעַד־	और-तक	H5704
כֶּרֶם	दाख-बाग	H3754
זָיִת׃	जैतून-का	H2132

> शिमशोन ने लोमड़ियों की पूँछ के बीच के मशालों को जलाया। तब उसने पलिश्ती लोगों के खेतों में लोमड़ियों को छोड़ दिया। इस प्रकार उसने उनकी खड़ी फसलों और उनकी कटी ढेरों को जला दिया। उसने उनके अंगूर के खेतों और जैतून के पेड़ों को भी जला डाला।

6
וַיֹּאמְרוּ और-कहा H0559
פְלִשְׁתִּים पलिश्तियोंने H6430
מִי किसने H4310
עָשָׂה किया
זֹאת यह H2063
וַיֹּאמְרוּ और-कहा H0559
שִׁמְשׁוֹן शिमशोनने H8123
חֲתַן दामाद H2860
הַתִּמְנִי तिम्नी-के H8554
כִּי क्योंकि
לָקַח ले-लिया H3947
אֶת־ -को H0853
אִשְׁתּוֹ उसकी-पत्नी H0802
וַיִּתְּנָהּ और-दे-दी-उसने-उसे H5414
לְמֵרֵעֵהוּ उसके-साथी-को H4828
וַיַּעֲלוּ और-चढ़े H5927
פְלִשְׁתִּים पलिश्ती H6430
וַיִּשְׂרְפוּ और-जलाया H8313
אוֹתָהּ उसे H0853
וְאֶת־ और-को H0853
אָבִיהָ उसके-पिता H0001
בָּאֵשׁ: आग-से H0784

> पलिश्ती लोगों ने पूछा, “यह किसने किया?” किसी ने उनसे कहा, “तिम्ना के व्यक्ति के दामाद शिमशोन ने यह किया है। उसने यह इसलिए किया कि उसके ससुर ने शिमशोन की पत्नी को उसके विवाह के समय उपस्थित सबसे अच्छे व्यक्ति को दे दी।” अत: पलिश्ती लोगों ने शिमशोन की पत्नी और उसके ससुर को जलाकर मार डाला।

7
וַיֹּאמֶר और-कहा H0559
לָהֶם उनसे
שִׁמְשׁוֹן शिमशोनने H8123
אִם־ यदि
תַּעֲשׂוּן तुम-करोगे
כָּזֹאת ऐसा H2063
כִּי क्योंकि
אִם־ यदि
נִקַּמְתִּי मैंने-बदला-लिया H5358
בָכֶם तुमसे
וְאַחַר और-बाद-में
אֶחְדָּל: मैं-रुकूँगा H2308

> तब शिमशोन ने पलिश्ती के लोगों से कहा, “तुम लोगों ने यह बुरा किया अतः मैं तुम लोगों पर भी प्रहार करूँगा। मैं तब तक तुम लोगों पर विपत्ति ढाता रहूँगा जब तक मैं विपत्ति ढा सकूँगा।”

8
וַיַּךְ और-मारा H5221
אוֹתָם उन्हें H0853
שׁוֹק जांघ H7785
עַל־ -पर
יָרֵךְ जांघ H3409
מַכָּה मार H4347
גְדוֹלָה बड़ी
וַיֵּרֶד और-उतरा H3381
וַיֵּשֶׁב और-बैठा H3427
בִּסְעִיף दरार-में H5585
סֶלַע चट्टान H5553
עֵיטָם: एताम-के H5862
ס
*

> तब शिमशोन ने पलिश्ती लोगों पर आक्रमण किया। उसने उनमें से बहुतों को मार डाला। तब वह गया और एक गुफा में ठहरा। वह गुफा एताम की चट्टान नामक स्थान पर थी।

9
וַיַּעֲלוּ और-चढ़े H5927
פְלִשְׁתִּים पलिश्ती H6430
וַיַּחֲנוּ और-डेरा-डाला H2583
בִּיהוּדָה यहूदाह-में H3063
וַיִּנָּטְשׁוּ और-फैल-गए H5203
בַּלֶּחִי: लेही-में H3896

> तब पलिश्ती लोग यहूदा के प्रदेश में गये। वे लही नामक स्था पर रुके। उनकी सेना ने वहाँ डेरा डाला और युद्ध के लिये तैयारी की।

10
וַיֹּאמְרוּ और-कहा H0559
אִישׁ पुरुषोंने H0376
יְהוּדָה यहूदाह-के H3063
לָמָה क्यों H4100
עֲלִיתֶם तुम-चढ़े-हो H5927
עָלֵינוּ हम-पर
וַיֹּאמְרוּ और-कहा H0559
לֶאֱסוֹר बाँधने-को H0631
אֶת־ -को H0853
שִׁמְשׁוֹן शिमशोन H8123
עָלִינוּ हम-चढ़े-हैं H5927
לַעֲשׂוֹת करने-को
לוֹ उसे
כַּאֲשֶׁר जैसा
עָשָׂה उसने-किया
לָנוּ: हमें

> यहूदा परिवार समूह के लोगों ने उनसे पूछा, “तुम पलिश्तियों, हम लोगों से युद्ध करने क्यों आए हो?” उन्होंने उत्तर दिया, “हम लोग शिमशोन को पकड़ने आए हैं। हम लोग उसे अपना बन्दी बनाना चाहते हैं। हम लोग उसे उसका बदला चुकाना चाहते हैं जो उसने हमारे लोगों के साथ किया है।”

11

וַיֵּרְדוּ	שְׁלֹשֶׁת	אֲלָפִים	אִישׁ	מִיהוּדָה	אֶל־	סְעִיף	סֶלַע	עֵיטָם	וַיֹּאמְרוּ	לְשִׁמְשׁוֹן
और-उतरे	तीन	हज़ार	पुरुष	यहूदाह-से	-के-पास	दरार	चट्टान	एताम-के	और-कहा	शिमशोन-से
H3381	H7969	H0505	H0376	H3063	H0413	H5585	H5553	H5862	H0559	H8123

הֲלֹא	יָדַעְתָּ	כִּי־	מֹשְׁלִים	בָּנוּ	פְּלִשְׁתִּים	וּמַה־	זֹּאת	עָשִׂיתָ	לָּנוּ	וַיֹּאמֶר
क्या-नहीं	तू-जानता-है	कि	शासन-कर-रहे-हैं	हम-पर	पलिश्ती	और-क्या	यह	तूने-किया	हमें	और-कहा
H3808	H3045		H4910		H6430	H4100	H2063			H0559

לָהֶם	כַּאֲשֶׁר	עָשׂוּ	לִי	כֵּן	עָשִׂיתִי	לָהֶם׃
उनसे	जैसा	उन्होंने-किया	मुझे	वैसे	मैंने-किया	उन्हें

तब यहूदा के परिवार समूह के तीन हज़ार व्यक्ति शिमशोन के पास गये। वे एताम की चट्टान की गुफा में गए। उन्होंने उससे कहा, “तुमने हम लोगों के लिए क्या विपत्ती खड़ी कर दी है? क्या तुम्हें पता नहीं है कि पलिश्ती लोग वे लोग हैं जो हम पर शासन करते हैं?” शिमशोन ने उत्तर दिया, “उन्होंने मेरे साथ जो किया उसका मैने केवल बदला दिया।”

12

וַיֹּאמְרוּ	לוֹ	לֶאֱסָרְךָ	יָרַדְנוּ	לְתִתְּךָ	בְּיַד־	פְּלִשְׁתִּים	וַיֹּאמֶר	לָהֶם	שִׁמְשׁוֹן
और-कहा	उससे	तुझे-बाँधने-को	हम-उतरे-हैं	तुझे-देने-को	हाथ-में	पलिश्तियों-के	और-कहा	उनसे	शिमशोनने
H0559		H0631	H3381	H5414	H3027	H6430	H0559		H8123

הִשָּׁבְעוּ	לִי	פֶּן־	תִּפְגְּעוּן	בִּי	אַתֶּם׃
शपथ-खाओ	मुझे	कहीं	तुम-मारोगे	मुझे	तुम
H7650		H6435	H6293		

तब उन्होंने शिमशोन से कहा, “हम तुम्हें बन्दी बनाने आए हैं। हम लोग तुम्हें पलिश्ती लोगों को दे देंगे।” शिमशोन ने यहूदा के लोगों से कहा, “प्रतिज्ञा करो कि तुम लोग स्वयं मुझ पर प्रहार नहीं करोगे।”

13

וַיֹּאמְרוּ	לוֹ	לֵאמֹר	לֹא	כִּי־	אָסֹר	נֶאֱסָרְךָ	וּנְתַנּוּךָ	בְיָדָם	וְהָמֵת
और-कहा	उससे	कहते-हुए	नहीं	क्योंकि	बाँधना	हम-बाँधेंगे-तुझे	और-देंगे-तुझे	उनके-हाथ-में	और-मारना
H0559		H0559	H3808		H0631	H0631	H5414	H3027	H4191

לֹא	נְמִיתֶךָ	וַיַּאַסְרֻהוּ	בִּשְׁנַיִם	עֲבֹתִים	חֲדָשִׁים	וַיַּעֲלוּהוּ	מִן־	הַסָּלַע׃
नहीं	हम-मारेंगे-तुझे	और-बाँधा-उसे	दो	रस्सियों-से	नए	और-चढ़ाया-उसे	-से	चट्टान
H3808	H4191	H0631	H8147	H5688	H2319	H5927		H5553

तब यहूदा के व्यक्तियों ने कहा, “हम स्वीकार करते हैं। हम लोग केवल तुमको बांधेंगे और तुम्हें पलिश्ती लोगों को दे देंगे। हम प्रतिज्ञा करते हैं कि हम तुमको जान से नहीं मारेंगे।” अत: उन्होंने शिमशोन को दो नयी रस्सियों से बांधा। वे उसे चट्टान की गुफा से बाहर ले गए।

14

הוּא־	בָא	עַד־	לֶחִי	וּפְלִשְׁתִּים	הֵרִיעוּ	לִקְרָאתוֹ	וַתִּצְלַח	עָלָיו	רוּחַ	יְהוָה
वह	आया	-तक	लेही	और-पलिश्ती	ललकारे	उसकी-ओर	और-चढ़-आई	उस-पर	आत्मा	यहोवा-की
H1931	H0935	H5704	H3896	H6430	H7321	H7125			H7307	H3068

וַתִּהְיֶינָה	הָעֲבֹתִים	אֲשֶׁר	עַל־	זְרוֹעוֹתָיו	כַּפִּשְׁתִּים	אֲשֶׁר	בָּעֲרוּ	בָאֵשׁ	וַיִּמַּסּוּ
और-हो-गई	रस्सियाँ	जो	-पर	उसकी-बाहों	सन-की-तरह	जो	जली-थीं	आग-में	और-पिघल-गई
H1961	H5688			H2220	H6593			H0784	H4549

אֱסוּרָיו	מֵעַל	יָדָיו׃
उसके-बंधन	-से-ऊपर	उसके-हाथों
H0612		H3027

जब शिमशोन लही नामक स्थान पर पहुँचा तो पलिश्ती लोग उससे मिलने आए। वे प्रसन्नता से शोर मचा रहे थे। तब यहोवा की आत्मा बड़ी शक्ति से शिमशोन में आई। उसके ऊपर की रस्सियाँ ऐसी कमज़ोर हो गई जैसे मानो वे जल गई हों। रस्सियाँ उसके हाथों से ऐसे गिरीं मानो वे गल गई हो।

15

וַיִּמְצָא	לְחִי־	חֲמוֹר	טְרִיָּה	וַיִּשְׁלַח	יָדוֹ	וַיִּקָּחֶהָ	וַיַּךְ־	בָּהּ	אֶלֶף	אִישׁ׃
और-पाया	जबड़ा	गधे-का	ताज़ी	और-बढ़ाया	अपना-हाथ	और-ले-लिया-उसे	और-मारा	उससे	हज़ार	पुरुष
H4672	H3895	H2543	H2961	H7971	H3027	H3947	H5221		H0505	H0376

शिमशोन को उस गधे के जबड़े की हड्डी मिली जो मरा पड़ा था। उसने जबड़े की हड्डी ली और उससे एक हज़ार पलिश्ती लोगों को मार डाला।

16

וַיֹּאמֶר	שִׁמְשׁוֹן	בִּלְחֲי	הַחֲמוֹר	חֲמֹרָתַיִם	חֲמוֹר	הַחֲמוֹר	בִּלְחֲי	הַכֵּיתִי	אֶלֶף	אִישׁ׃
और-कहा	शिमशोनने	जबड़े-से	गधे-के	दो-ढेर	गधा	गधे-के	जबड़े-से	मैंने-मारा	हज़ार	पुरुष
H0559	H8123	H3895	H2543	H2565	H2565	H2543	H3895	H5221	H0505	H0376

तब शिमशोन ने कहा, एक गधे के जबड़े की हड्डी से मैंने ढेर किया है उनका—एक बहुत ऊँचा ढेर। एक गधे के जबड़े की हड्डी से मैंने मार डाला है हज़ार व्यक्तियों को!

17

הַהוּא	לַמָּקוֹם	וַיִּקְרָא	מִיָּדוֹ	הַלְּחִי	וַיַּשְׁלֵךְ	לְדַבֵּר	כְּכַלֹּתוֹ	וַיְהִי
उस	उस-स्थान-को	और-बुलाया	अपने-हाथ-से	जबड़ा	और-फेंका	बोलना	जब-उसने-समाप्त-किया	और-हुआ
H1931	H4725	H7121	H3027	H3895	H7993	H1696	H3615	H1961

לֶחִי׃רָמַת
रामत-लेही
H7437

जब शिमशोन ने बोलना समाप्त किया तब उसने जबड़े की हड्डी को फेंक दिया। इसलिए उस स्थान का नाम रामत लही पड़ा।

18

עַבְדֶּךָ	בְּיַד־	נָתַתָּ	אַתָּה	וַיֹּאמֶר	יְהוָה	אֶל־	וַיִּקְרָא	מְאֹד	וַיִּצְמָא
अपने-दास-के	हाथ-में	दिया	तूने	और-कहा	यहोवा	-से	और-पुकारा	बहुत	और-प्यासा-लगा-उसे
H5650	H3027	H5414		H0559	H3068	H0413	H7121	H3966	H6770

הָעֲרֵלִים׃	בְּיַד	וְנָפַלְתִּי	בַּצָּמָא	אָמוּת	וְעַתָּה	הַזֹּאת	הַגְּדֹלָה	הַתְּשׁוּעָה	אֶת־
खतनारहितों-के	हाथ-में	और-गिरूँगा	प्यास-से	मैं-मरूँ	और-अब	यह	बड़ी	छुटकारा	-को
H6189	H3027	H5307	H6772	H4191	H6258	H2063		H8668	H0853

शिमशोन को बहुत प्यास लगी थी। इसलिए उसने यहोवा को पुकारा। उसने कहा, “मैं तेरा सेवक हूँ। तूने मुझे यह बड़ी विजय दी है। क्या अब मुझे प्यास से मरना पड़ेगा? क्या मुझे उनसे पकड़ा जाना होगा जिनका खतना नहीं हुआ है?”

19

וַתָּשָׁב	וַתֵּשְׁתְּ	מַיִם	מִמֶּנּוּ	וַיֵּצְאוּ	בַּלְּחִי	אֲשֶׁר־	הַמַּכְתֵּשׁ	אֶת־	אֱלֹהִים	וַיִּבְקַע
और-लौटी	और-पीया	पानी	उससे	और-निकला	लेही-में	जो	गढ़े	-को	परमेश्वरने	और-चीरा
H7725	H8354	H4325		H3318	H3895		H4388	H0853	H0430	H1234

הַיּוֹם	עַד	בַּלֶּחִי	אֲשֶׁר	הַקּוֹרֵא־עֵין	שְׁמָהּ	קָרָא	וְכֵן	עַל־	וַיְחִי	רוּחוֹ
आज-के	-तक	लेही-में	जो	एन-हक्कोरे	उसका-नाम	बुलाया	इसलिए	-पर	और-जीया	उसकी-आत्मा
H3117	H5704	H3896		H5875	H8034	H7121			H2421	H7307

הַזֶּה׃
दिन
H2088

लही में भूमि के अन्दर एक गका है। परमेश्वर ने उस गके को फट जाने दिया और पानी बाहर आ गया। शिमशोन ने पानी पीया और अपने को स्वस्थ अनुभव किया। उसने फिर अपने को शक्तिशानी अनुभव किया। इसलिए उसने उस पानी के सोते का नाम एनहक्कोरे रखा। यह अब तक आज भी लही नगर में है।

20

פ	שָׁנָה׃	עֶשְׂרִים	פְּלִשְׁתִּים	בִּימֵי	יִשְׂרָאֵל	אֶת־	וַיִּשְׁפֹּט	
*	वर्ष	बीस	पलिश्तियों-के	दिनों-में	इस्राएल	-का	और-न्याय-किया	
	H8141	H6242	H6430	H3117	H3478	H0853	H8199	

इस प्रकार शिमशोन इस्राएल के लोगों का न्यायाधीश बीस वर्ष तक रहा। वह पलिश्ती लोगों के समय में था।